सांध्य दैनिक
4PM

इंसान की डाइट का हर एक तत्व उसके शरीर पर असर डालता है और किसी न किसी तरह उसे चेंज करता है और इन्ही बदलावों पर उसका पूरा जीवन निर्भर करता है।

–हिप्पोक्रेटीस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 232 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 28 सितम्बर, 2024

मप्र में भाजपा सदस्यता अभियान के... 7 | अब केजरीवाल भी चले हिंदुत्व... 3 | हरियाणा में किसान, मजदूर व गरीब... 2

बिहार में एकबार फिर बाजी पलटने की आहट!

नड्डा के पटना आने पर गरमाई सियासत

भाजपा अध्यक्ष के बार-बार दौरे पर उठे सावल

- राजद ने जदयू-भाजपा को घेरा
- विपक्ष बोला- हाथ मिले पर दिल नहीं मिला
- सरकारी कार्यक्रमों में भाजपा और जदयू के रिश्तों में दिखी तनातनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शनिवार को एकबार फिर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे हैं। उनके 21 दिनों के भीतर दूसरी बार बिहार पहुंचने पर सियासी गलियारों में चर्चा आम हो गई है एनडीए सरकार में जदयू व भाजपा में सब ठीक नहीं चल रहा है। विपक्ष तो बार-बार कह रहा है कि सरकार कुछ दिन की मेहमान हैं। हालांकि एनडीए के दल इसको कोरा बकवास बताकर पल्ला झाड़ रहे हैं। जदयू ने इसे पूरी तरीके से खारिज किया है और कहा है कि राजद कैसे कह सकता है कि एनडीए में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है।

क्या राजद के नेता भाजपा से मिले हुए हैं? वहीं लोगों के जहन में बार-बार यर सवाल आ रहा है कि नड्डा जी तो अभी ही बिहार का दौरा किए थे, फिर अचानक फिर क्यों से आ रहे हैं? दरअसल, सियासत में जो ऊपर से दिखता है, वह अंदर से भी वैसा ही हो, इसकी गारंटी नहीं है। हालांकि सरकार मजबूती से चलाने का दावा किया जा रहा है। लेकिन कहीं ना कहीं तालमेल की कमी नजर आ रही। सवाल यह है कि तालमेल की कमी है या फिर जदयू और भाजपा के हाथ तो मिल गए हैं लेकिन दिल नहीं मिल पा रहे हैं। विधानसभा चुनाव अगले साल होने है।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में भी दिखी अनबन : मृत्युंजय

राजद भी अब इसको लेकर मजे लेने की कोशिश कर रहा है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जेपी नड्डा बिहार क्यों आ रहे हैं? यह बड़ा सवाल है। जदयू और भाजपा के बीच मतभेद है। बहुत सारी ऐसे कायक्रम हुए हैं जिनमें दोनों पार्टियों की राय बिल्कुल लग रही है। मुख्यमंत्री के समीक्षा बैठक में दोनों पार्टी के नेता मौजूद नहीं हो रहे हैं। सीएम जब जहानाबाद गए थे तो भी वहां बीजेपी के नेता मौजूद नहीं रहे। इससे साफ तौर पर पता चलता है कि एनडीए में ऑल इज नॉट वेल है और जेपी नड्डा डैमेज कंट्रोल के लिए पटना पहुंच रहे हैं।

झारखंड में आजसू और जद (यू) का भाजपा से होगा गठबंधन

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने गठबंधन को मजबूत कर लिया। भाजपा अपने सहयोगियों को साथ लेकर मैदान में उतरेगी। जनता दल (यूनाइटेड) और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) के साथ भाजपा का गठबंधन लगभग तय हो गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी जानकारी दी है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि चुनाव में जनता दल (यू) और आजसू पार्टी के साथ गठबंधन होगा। सीटों का बंटवारा लगभग फाइनल हो चुका है। हिमंत बिस्वा सरमा ने यह भी कहा कि 1-2 सीटों पर चर्चा बाकी है। पितृ पक्ष खत्म होने के बाद हम गठबंधन की घोषणा करेंगे। जनता दल (यूनाइटेड) और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) की राज्य में भूमिका महत्वपूर्ण है।

चिराग पासवान ने की सीएम नीतीश से मुलाकात

बिहार के सीएम नीतीश कुमार से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ हुई अभद्रता से राज्य की राजनीति गर्म है। मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने कहा कि हमारी बैठक का विषय बिहार में चल रही योजनाएं थी, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण विषय था पश्चिम बंगाल में बिहार के छात्रों के साथ किस तरह क्रूर व्यवहार किया जा रहा है। मैं हमेशा यह मुद्दा उठाता हूं कि दूसरे राज्यों में बिहारियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। ये बेहद शर्मनाक घटना है, इसका वीडियो 2 दिन से वायरल है। भारत का संविधान यह इजाजत देता है कि कोई भी भारतीय देश के किसी भी कोने में जाकर शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय हासिल कर सकता है।

हरियाणा के हर घर में खुशहाली का वादा

- कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी
- दो लाख सरकारी नौकरियों का वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र हाथ बदलेगा हालात के नाम से जारी कर दिया है। उसने राज्य मे खुशहाली का वादा किया है। चंडीगढ़ में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, पार्टी के प्रदेश प्रधान उदयभान और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत उपस्थित रहे। कांग्रेस ने विदेशों में नौकरियों के लिए युवाओं की राह आसान बनाने के लिए हरियाणा विदेशी रोजगार बोर्ड बनाने का वादा किया है।

कांग्रेस का घोषणापत्र में 25 लाख तक का इलाज निशुल्क, सस्ती शिक्षा व महिलाओं व छात्राओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर 10 लाख करेंगे

कांग्रेस ने ओबीसी की क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख तक करने और 25 लाख तक मुफ्त इलाज देने का वादा किया है। घोषणा पत्र में कांग्रेस ने सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत बुजुर्गों, विकलांगों और विधवाओं को 6 हजार रुपये की मासिक पेंशन, कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) देने का वादा किया है।

सपा सांसद ने अपनी जान को बताया खतरा

- चुनाव के पहले से धमकी आती रही : राजीव राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने कहा कि उनको अनजान कॉल से मुझे मारने की धमकी दी गई। यह खुलासा सपा नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

सांसद राजीव ने कहा कि कई बार मेरा पीछा किया गया जिसकी जानकारी एसएसपी को दी। पर एसएसपी द्वारा मुझे ही अनाप सनाप बताया गया। मामला 20 तारीख का है। 10 बजकर 11 मिनट पर मुझे पाकिस्तानी नम्बर से कॉल आई बोलने वाला कही न कही इंडिया था, उसने अपना नाम विजय बताया। उसने मेरे बेटे का नाम भी ले लिया कहा कुछ दिन के मेहमान हो जो करना है कर लो।

डीजी रैंक के अफसर के कहने पर मुकदमा लिखा

राय ने कहा कि एक रिटायर्ड आईपीएस अफसर ने कहा आपने पुलिस को क्यो नही बताया तत्कालीन एसपी को मैंने स्नेप शॉट भी भेजा 20 तारीख को मैंने कंप्लेन कर दिया था। 23 को छुट्टी से वापस तब एसपी ने डीजी रैंक के अफसर के कहने पर मुकदमा लिखा। ये कड़वी सच्चाई है कि एक आम नागरिक की तरह शिकायत करता रहा कोई सुनवाई नही हुई।

गृहमंत्री को सुरक्षा के लिए पत्र लिखा

मैंने गृहमंत्री जी को एक पत्र कल लिखा है मैंने सुरक्षा के लिए कही नही लिखा, अगर सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया पर लिख दूं तो गालियों की बौछार हो जाएगी। हमारी सरकार में हमे 4 कैटेगरी की सुरक्षा मिली थी अगर मुझे किसी को कुछ कहना होगा तो मैं सूरदास कहूंगा अंधा नही कहूंगा, मुझे कॉल किया तो कहा कि राजीव सांसद बोल रहे हो तुम्हारा बेटा ऋत्विक है न तुम्हारा समय पूरा हो चुका है ये कहकर मुझे धमकी दी।

मामले की निष्पक्ष जांच करना चाहिए

शासन को अगर निष्पक्ष जांच करना चाहिए। मेरा बेटा यहां नही रहता है वह विदेश में रहता है जिसकी जानकारी किसी को नही है उसकी जानकारी धमकी देने वाले को है इसलिए किसी समय कुछ भी हो सकता है मैंने सुरक्षा के किये 7 सालों में एक पत्र नही लिखा जब धमकी दी गई तब मैने शिकायत की। उन्होंने कहा कि उम्मीद करता हूँ कार्रवाई होगी मेरी एफिडेविट की जांच कर लीजिए मेरे पर कोई केस नही है एक फर्जी केस 2021 में दर्ज हुआ था जिसकी जानकारी मुझे नही थी।

हरियाणा में किसान, मजदूर व गरीब का उत्थान नहीं हुआ : मायावती

बसपा प्रमुख का आरोप- भाजपा और कांग्रेस आरक्षण समाप्त करने पर आमादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फरीदाबाद। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी पर आरक्षण समाप्त करने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि प्रदेश में विभिन्न पार्टियों की सरकारें रही हैं लेकिन किसान, मजदूर एवं गरीब का उत्थान नहीं हो सका।

फरीदाबाद के पृथला क्षेत्र के बाघौला में शुक्रवार को आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बहुजन समाज पार्टी प्रमुख ने कहा, दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को आंबेडकर के कड़े संघर्ष से सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिला। ए राजनीतिक दल आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। वर्तमान में भाजपा सरकार की नीयत भी आरक्षण को लेकर साफ नहीं है। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने जब आपके आरक्षण पर चोट मारी, तो सभी पार्टियां चुप रही। किसी ने खुलकर नहीं बोला। सभी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने दावा

किया, विदेश में जाकर (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी ने सभी आरक्षण को खत्म करने का ऐलान कर दिया। हमें आरक्षण विरोधी पार्टियों को वोट नहीं देना है। मायावती ने लोगों से आरक्षण हित में और राज्य के विकास के लिए प्रदेश में बसपा गठबंधन की सरकार बनाने की अपील की। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा का इनेलो के साथ गठबंधन है। जनसभा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) महासचिव अभय चौटाला भी मौजूद थे।

कांग्रेस के चुनावी वादों से हरियाणा की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर नही पड़ेगा: अशोक गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा के लोगों के लिए दी जा रही गारंटी से न तो राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। गहलोत ने कहा कि ये गारंटी व्यापक विचार-विमर्श और वित्तीय विशेषज्ञों से परामर्श के बाद दी गई हैं। कांग्रेस ने हमेशा जनता से चर्चा करने, उनके विचारों को समझने और आम नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाने की नीति अपनाई है। उन्होंने कहा कि एक बार ए गारंटी लागू हो जाएं तो हरियाणा एक आदर्श राज्य के रूप में उभरेगा। गहलोत ने इस दावे को खारिज कर दिया कि कांग्रेस ने केवल विधानसभा चुनाव जीतने के लिए हरियाणा के लोगों से बड़े-बड़े वादे किए हैं। राजस्थान में किए कार्यों का उदाहरण देते हुए गहलोत ने कहा कि हरियाणा के लोगों को दी गई कई गारंटी राजस्थान में पहले ही लागू की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 25 लाख रुपए तक की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा योजना सफल तरीके से लागू की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को फिर से लागू किया गया है। गहलोत ने दावा किया कि हरियाणा में भी सभी चुनावी वादों को पूरा करने में कोई समस्या नही होगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के तहत किए गए वादों के बारे में गहलोत ने बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को छह हजार रुपए मासिक पेंशन और 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की बात कही।

भाजपा राज में किसान लाचार : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- खाद-बीज तक उपलब्ध नहीं करवा पा रही सरकार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी व मोदी की सरकारों को जमकर कोसा। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान उपेक्षा का शिकार है। भाजपा ने किसानों से आय दोगुनी करने से लेकर अन्य कई बड़े-बड़े वादे किए लेकिन कोई भी वादा पूरा नहीं किया। यह सरकार किसानों को खाद-बीज और अन्य सुविधाएं भी नहीं उपलब्ध करा पा रही है।

किसानों को आलू, गेहूं और अन्य फसलों की बोआई के लिए डीएपी, एनपीके और अन्य तरह के खाद की जरूरत है जबकि कन्नौज, मैनपुरी और संभल समेत तमाम जिलों के किसान इसके लिए भटक रहे हैं। सहकारी समितियों पर भी खाद नहीं है। अखिलेश ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा सरकार में अन्नदाता चौतरफा संकटों से घिरा हुआ है। तराई के जिलों में किसान बाढ़ से पीड़ित हैं। बहराइच, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में भेड़िया व जंगली जानवरों से किसानों के साथ ही आम लोग दहशत में और परेशानी में हैं। जंगली जानवरों के हमले में कई लोगों की जान जा चुकी है। छुट्टा जानवरों के कारण भी फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह उदासीन है।

चुनाव चिह्न के लिए लड़ाई जारी रहेगी : सुप्रिया सुले

» बोलीं- पिता की बनाई पार्टी को मजबूती देना ही मकसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि उनकी लड़ाई तब तक खत्म नहीं होगी जब तक वह अपने पिता शरद पवार की बनाई पार्टी और चुनाव चिह्न उन्हें वापस नहीं दिला देतीं। शरद पवार की पार्टी राकांपा पिछले साल जुलाई में तब टूट गई थी जब अजित पवार और आठ विधायक एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। बाद में निर्वाचन आयोग ने उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न घड़ी दे दी, जबकि शरद पवार के गुट का नाम राकांपा (एसपी) रखा गया और उसे चुनाव चिह्न तुतारी बजाता हुआ आदमी आवंटित किया गया।

सुले ने उत्तर पूर्व मुंबई के अणुशक्ति नगर में महा विकास अघाडी की रैली को संबोधित करते हुए कहा, मेरी लड़ाई तब तक खत्म नहीं होगी जब तक मैं पवार साहब को उनकी बनाई पार्टी और उनका चुनाव चिह्न वापस नहीं दिला देती।

नवाब भाई को भाजपा के साथ देखकर दुखी हूं

उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा, उन लोगों का क्या हुआ जिन्हें नवाब मलिक से एलर्जी थी। मलिक अणुशक्ति नगर से मौजूदा विधायक हैं और उन्होंने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को अपना समर्थन दिया है। मलिक को फरवरी 2022 में प्रवर्तन निदेशालय ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम की बहन की मदद से यहां कुर्ला में एक संपत्ति हड़पने के आरोप में गिरफ्तार किया था। मलिक को पिछले साल जमानत पर रिहा किया गया था। मलिक की सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रति नजदीकी पर निराशा व्यक्त करते हुए सुले ने कहा, जब मैं नवाब भाई को भाजपा के साथ देखती हूं मुझे दुख होता है। जिस पार्टी ने आपको जेल में डाला, आपने उसी से हाथ मिला लिया? सुले ने कहा कि (अविभाजित) राकांपा ने मलिक को जेल में रहने के दौरान, अदालती सुनवाई के दौरान और विभिन्न बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान पूरा सहयोग दिया था। बारामती से लोकसभा सांसद ने कहा, मैंने नवाब भाई की पत्नी और उनके बच्चों के आंसू देखे हैं।

दिल्ली की सड़कों को लेकर विपक्ष के निशाने पर अरविंद केजरीवाल

कांग्रेस बोली- गुमराह कर रही आप, भाजपा भी हुई हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अरविंद केजरीवाल व मुख्यमंत्री आतिशी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता के बीच जाकर टूटी सड़कों और बदहाल हालात का निरीक्षण केवल जनता को गुमराह करने की साजिश है। यह दिखावा केवल जनता की नजरों में विश्वास बहाल करने का प्रयास है, जबकि वास्तविकता इससे कहीं दूर है। सरकार के असली फैसले केजरीवाल ही ले रहे हैं।

केजरीवाल ने वर्षों से टूटी सड़कों को नजरअंदाज किया और अब खुद के समर्थकों से बुलवाकर यह दिखा रहे हैं कि 6-7 महीनों से दिल्ली में कोई काम नहीं हुआ। यह रणनीति जनता को गुमराह करने के लिए रची गई है, लेकिन जनता अब इन चालों को समझ चुकी है। केजरीवाल ने 10 सालों में कभी भी सड़कों, अस्पतालों,

स्कूलों या चौराहों का निरीक्षण क्यों नहीं किया। जब दिल्ली में जलभराव, करंट लगने, नालों में डूबने और इमारतों के ढहने जैसी घटनाओं में 40 से अधिक लोगों की जान चली गई थी तो आप नेता कहां थे।

केजरीवाल का पत्र छलावा: भाजपा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल ने लगभग पौने दस साल दिल्ली पर शासन किया और उनके शासन में पूरा सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर जर्जर हो गया। इस कारण अब उनके सड़क सुधार पर पत्र लेखन ने दिल्ली वालों को स्तब्ध कर दिया है। आगे कहा कि केजरीवाल ने लंबे शासनकाल में सड़क रखरखाव पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। अब शीशमहल के बाहर निकलकर जनता का सड़कों, सीवर, जल सप्लाई एवं परिवहन को लेकर हाहाकार सुना तो मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर वे अपनी विफलता का ठीकरा उनके सिर पर फोड़ने की भूमिका बना रहे हैं। उनका यह कदम एक हास्यास्पद छलावा है।

पार्टी कैडर बन गई है बंगाल पुलिस : शुभेंदु अधिकारी

» बोले- धमकी की संस्कृति खत्म नहीं होने वाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। आरजी-कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर पश्चिम बंगाल के एलओपी शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों को धमकियां मिलती हैं, उनकी सुरक्षा कौन करेगा? यह पुलिस की कानूनी जिम्मेदारी है। लेकिन पश्चिम बंगाल में पुलिस एक पार्टी कैडर बन गई है। आरजी कर की घटना के बाद बंगाल में धमकी की संस्कृति खत्म नहीं होने वाली है।

वे टीएमसी नेताओं के निर्देशानुसार काम कर रहे हैं। यहां शांति और भाईचारा स्थापित किया जाएगा। पश्चिम बंगाल इकाई ने बुधवार को दक्षिण कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के नजदीक हाजरा इलाके में 26 सितंबर को धरना दिया और आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सा से दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना को लेकर टीएमसी प्रमुख के इस्तीफे की मांग की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने घटना को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने महिला चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हुए तख्तियां लहराईं।

अब केजरीवाल भी चले हिंदुत्व की राह पर

भाजपा केजरीवाल पर लगाती रही है हिंदू विरोधी होने के आरोप

- पिछले कुछ सालों से खुद को बड़ा राम भक्त दिखाने का कर रहे प्रयास
- आतिशी के सीएम की कुर्सी खाली रखने को भी भगवान राम के खड़ाऊं से जोड़ा
- दिल्ली में जीत की हैट्रिक लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते केजरीवाल
- जेल से बाहर आने पर हनुमान मंदिर में टेका माथा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आने के बाद काफी आक्रामक राजनीति कर रहे हैं। केजरीवाल एक सोची-समझी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहे हैं। उनके अभी तक के सियासी कदमों से स्पष्ट है कि केजरीवाल किसी भी हालत में दिल्ली की सत्ता पर फिर से विराजमान होना चाहते हैं और जीत की हैट्रिक लगाने की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसीलिए जिस तरह से वो आगे बढ़ रहे हैं उसने उनके विरोधियों को और भी परेशानी में डाल दिया है।

केजरीवाल द्वारा जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना और अपनी जगह पत्नी सुनीता केजरीवाल को न बिठाकर, पार्टी की सीनियर लीडर आतिशी को सीएम की कुर्सी पर बैठाना, अरविंद केजरीवाल का एक बड़ा सियासी कदम माना जा रहा है। जो कि उनकी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। इसी तरह अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आने के बाद से एक अलग अंदाज में दिख रहे हैं। जबसे जेल से बाहर आए हैं, तबसे अरविंद केजरीवाल हिंदुत्व की पिच पर काफी खुलकर खेल रहे हैं। जिससे बीजेपी की नीदें उड़ी हुई हैं। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी के बगल में जो खाली कुर्सी रखी गई है, उसे लेकर यह कहना कि जिस तरह भरतजी ने 14 साल तक प्रभु श्रीराम की खड़ाऊं रखकर अयोध्या का राजकाज संभाला, इसी तरह आतिशी भी दिल्ली में सरकार चलाएंगी, इसे भी आम आदमी पार्टी ने राम से जोड़ा है। साफ है कि केजरीवाल अब हिंदुत्व की माला जपते हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों तक का सफर तय करना चाहते हैं। ताकि वो चुनाव में बीजेपी के लिए और भी मुश्किलें खड़ी कर सकें और उसके हिंदुत्व के एजेंडे के सामने भी खुद को मजबूती से पेश कर सकें। इसीलिए केजरीवाल ने अभी से ही हिंदुत्व की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। केजरीवाल जब-जब जेल से बाहर आए हैं तब-तब उन्होंने पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ हनुमान मंदिर में हाजिरी लगाई है और वह लगातार अपनी सभाओं में कहते रहे हैं कि उनके ऊपर हनुमान और भगवान राम की कृपा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, मोहल्ला क्लीनिक की बात करने वाले केजरीवाल को आखिर हिंदुत्व की राजनीति के रास्ते पर क्यों चलना पड़ा है। क्यों वह पिछले कुछ सालों से खुद को सबसे बड़ा रामभक्त बता रहे हैं? इसके अलावा केजरीवाल काफी आक्रामक भी दिख रहे हैं। केजरीवाल ने सबसे पहले यह ऐलान कर लोगों को हैरान कर दिया कि वह मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। इसे केजरीवाल का बड़ा राजनीतिक दांव माना जा रहा है।

इस बार भाजपा भी लगा रही पूरा जोर

अरविंद केजरीवाल का ये रूप इसलिए भी बदला-बदला नजर आ रहा है क्योंकि दिल्ली में बीजेपी एक लंबे वक्त से विपक्ष के पाले में बैठी है। ऐसे में इस बार भाजपा किसी भी कीमत पर सत्ता में आने को बेताब दिख रही है। यही कारण है कि बीजेपी इस बार दिल्ली में सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा रही है और उसने आम आदमी पार्टी के कई नेताओं और विधायकों को तोड़कर अपने साथ मिलाया है। बीजेपी ने लगातार इस बात को कहा है कि केजरीवाल ही दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले के सरगना हैं। ऐसे में केजरीवाल के सामने मुश्किलें ज्यादा हैं। इसलिए केजरीवाल भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। 2014 में केंद्र में सरकार बनाने के बाद से ही बीजेपी

ने हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को अपने एजेंडा में सबसे ऊपर रखा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का श्रेय बीजेपी ने मोदी सरकार को दिया। बीजेपी की कोशिश इसके जरिये हिंदू मतदाताओं को अपनी ओर खींचने की है। दिल्ली में बीजेपी ने 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को हराने की पूरी कोशिश की, लेकिन केजरीवाल के नेतृत्व में उसे करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

'फूट डालो राज करो' की नीति पर भी काम कर रहे केजरीवाल

जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल एक परिपक्व नेता की तरह रणनीति भी बना रहे हैं और अपने विरोधियों को घेरने का काम भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल की एक नई नीति सामने आई है- फूट डालो राज करो की। असल में अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला करने का नया तरीका खोज निकाला है। लोकसभा चुनाव के दौरान ही इसके रुझान देखने को मिल गए थे जब केजरीवाल लगातार बोला करते थे- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बीजेपी इस्तीफा ले लेगी, उनकी सीएम कुर्सी खतरे में है। वे तो दो कदम आगे बढ़कर यहां तक बोलते थे कि पीएम मोदी अक्टूबर में इस्तीफा दे देंगे, उनकी जगह अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। अब इसी तरह केजरीवाल ने भाजपा और संघ के बीच दरार पैदा करने का दांव चला है। हरियाणा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने ये बताने का प्रयास किया कि बीजेपी अब आरएसएस की एक नहीं सुनती है, बीजेपी अब संघ के दिशा-निर्देशों को नहीं मानती है। अब यहां भी आप संयोजक ने पूरी कोशिश की है कि बीजेपी और संघ एक दूसरे के खिलाफ हो जाए। उन्हें इस बात का अहसास है कि आज भी बीजेपी को संघ की जरूरत है, चाहे मीडिया के सामने इस बात को स्वीकार ना किया जाए, लेकिन कई राज्यों में आज भी संघ के सहारे ही बीजेपी अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहती है। वहीं अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में एक चिट्ठी लिख संघ प्रमुख मोहन भागवत से कुल पांच सवाल भी किए हैं। उनका पहला सवाल तो यह रहा कि क्या बेटा, मां से बड़ा हो चुका है? दूसरा सवाल- क्या भ्रष्ट नेताओं को पार्टी में शामिल करना सही? तीसरा सवाल- क्या मोदी पर लागू नहीं होती उम्र सीमा? चौथा सवाल- विपक्षी नेताओं के पीछे एजेंसी, संघ सहमत?

अपने जेल जाने को वनवास से जोड़ा

केजरीवाल ने बीते रविवार को जब जंतर-मंतर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तो उन्होंने तिहाड़ जेल में रहने के अपने समय को राम के वनवास से जोड़ा था। केजरीवाल ने कहा कि जब भगवान राम वनवास से आए थे तो सीता मैया को अग्निपरीक्षा देनी पड़ी थी, आज मैं अग्निपरीक्षा देने जा रहा हूं। केजरीवाल ही नहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री और पार्टी के बड़े नेता मनीष सिसोदिया ने भी जंतर-मंतर पर कहा कि वह केजरीवाल के साथ-साथ लक्ष्मण की तरह खड़े रहेंगे। अब बात करते हैं कि आखिर केजरीवाल को हिंदुत्व की राजनीति के रास्ते पर क्यों आना पड़ा है। जबकि दिल्ली में पिछले दो चुनाव उन्होंने विकास के मुद्दे पर ही जीते हैं।

बीजेपी-कांग्रेस दोनों आप को घेर रहे

बीजेपी कई बार केजरीवाल को हिंदू विरोधी बता चुकी है। द कश्मीर फाइल्स को लेकर केजरीवाल के बयान को बीजेपी ने मुद्दा बनाया था और कहा था कि केजरीवाल ने सताए गए कश्मीरी हिंदुओं का मजाक बनाया है। बीजेपी के इस फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने की मांग पर केजरीवाल ने कहा था कि इस फिल्म को यूट्यूब पर डाल दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी कांग्रेस भी आम आदमी पार्टी को घेर रही है। केजरीवाल जानते हैं कि इस कथित घोटाले को लेकर बीजेपी ने सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक उनके खिलाफ मजबूत किलेबंदी की है और अगर उन्हें दिल्ली में फिर से सरकार बनानी है और आम आदमी पार्टी को मजबूत करना है तो विकास के मुद्दे के साथ आगे बढ़ते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व पर भी मोर्चा मजबूत करना होगा, वरना दिल्ली का चुनाव जीतना उनके लिए काफी मुश्किल हो सकता है।

हिंदुत्व और राम राज्य का लगातार ले रहे सहारा

पिछले कुछ सालों के घटनाक्रम को देखें तो यह समझ में आता है कि अरविंद केजरीवाल ने हिंदू नेता की छवि बनाने की कोशिश की है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हमारे सामने हैं जब केजरीवाल और उनकी सरकार के मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राम, हिंदुत्व और राम राज्य की बात की है। आम आदमी पार्टी की ओर से दिल्ली सरकार के बजट को रामराज्य बजट कहा गया। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने से पहले हर मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का आयोजन कराया था। इस साल मार्च में जब आतिशी ने वित्त मंत्री रहते हुए दिल्ली विधानसभा में अपना बजट पेश किया था तो 90 मिनट के भाषण में कम से कम 40 बार राम और राम राज्य का जिक्र किया था। उस दौरान आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया पर केजरीवाल का रामराज्य नाम से हैशटैग भी चलाया था। इसी तरह 2021 में दिवाली के मौके पर एमसीडी के चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी की सरकार ने त्यागराज स्टेडियम में अयोध्या के राम मंदिर निर्माण की 30 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण कराया था। इसके अलावा आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली के बुजुर्गों को पिछले कई सालों से मुफ्त तीर्थ यात्रा भी करा रही है।

कथित शराब घोटाले से पार्टी की छवि को पहुंचा नुकसान

केजरीवाल इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि कथित आबकारी घोटाले में जेल जाने के बाद उनके लिए आगे का रास्ता आसान नहीं है। न सिर्फ अरविंद केजरीवाल बल्कि मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे बड़े नेता भी इस कथित घोटाले में जेल जा चुके हैं। कथित शराब घोटाले ने प्रदेश में पार्टी की छवि को कुछ तो नुकसान पहुंचाया ही है। इस बात से खुद केजरीवाल और पार्टी का पूरा टॉप लीडरशिप अच्छे से वाकिफ है। वहीं पार्टी अपनी राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट प्रकरण की वजह से भी मुश्किलों में फंसी हुई है। ऐसे में आम आदमी पार्टी अब खुद को फिर से मजबूत करने पर काम कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बार-बार भाजपा के गले में फंस रही हैं 'कंगना'!

"कंगना ने अपने सांसद बनने के बाद विरोधियों पर तो हमले कम बोले हैं, लेकिन किसानों पर हमले काफी ज्यादा बोले हैं। जो कि खुद बीजेपी भी नहीं चाहती है। ऐसा लगता है कि मानो कंगना रनौत को किसानों से कोई खास ही दिक्कत हो। तभी तो वो कभी किसानों को खालिस्तानी और आतंकवादी बताती हैं, कभी किसान आंदोलन में बलात्कार होने की बात कहती हैं तो कभी तीनों कृषि कानूनों को वापस लागू करने की बात कहती हैं।"

बॉलीवुड से राजनीति का सफर तय करने वाली अभिनेत्री से सांसद बनीं कंगना रनौत का प्रोफाइल भले ही बदल गया हो, लेकिन उनका अंदाज और विवादों से रिश्ता पुराना ही है। लेकिन कंगना की भक्ति और विवादित बयानों से उत्साहित होकर भाजपा ने कंगना रनौत को पार्टी में शामिल करके लोकसभा का टिकट तो दे दिया और कंगना अपने गृह क्षेत्र मंडी से जीतकर संसद भी पहुंच गईं। लेकिन अब कंगना रनौत के सांसद बनने से विरोधियों से ज्यादा परेशान तो खुद भाजपा ही है। क्योंकि कंगना रनौत आए दिन अपने बयानों से भाजपा को मुश्किलों में डालती रहती हैं। भाजपा के लाख समझाने के बाद भी कंगना है कि मानने को तैयार ही नहीं हैं। कंगना ने अपने सांसद बनने के बाद विरोधियों पर तो हमले कम बोले हैं, लेकिन किसानों पर हमले काफी ज्यादा बोले हैं। जो कि खुद बीजेपी भी नहीं चाहती है। ऐसा लगता है कि मानो कंगना रनौत को किसानों से कोई खास ही दिक्कत हो। तभी तो वो कभी किसानों को खालिस्तानी और आतंकवादी बताती हैं, कभी किसान आंदोलन में बलात्कार होने की बात कहती हैं तो कभी तीनों कृषि कानूनों को वापस लागू करने की बात कहती हैं।

हर बार पार्टी द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद कंगना रनौत जलील होना पड़ता है और अपने बयान को लेकर माफी मांगनी पड़ती है। लेकिन कंगना अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही हैं। वो भाजपा को मुश्किल में डालने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। अब तो कंगना रनौत ने अपनी ही मोदी सरकार के एक प्रोजेक्ट का विरोध कर दिया है। 272 करोड़ के इस प्रोजेक्ट की शुरुआत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने की थी। अब कंगना ने इसका विरोध किया है। दरअसल, 6 महीने पहले हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में नितिन गडकरी ने खराहल घाटी में बिजली महादेव रोपवे का ऐलान किया था। यह रोपवे डेढ़ साल में बनकर तैयार किया जाना है। कहा जा रहा है कि इस रोपवे के बनने से 36000 सैलानी एक दिन में बिजली महादेव पहुंचेंगे। लेकिन इस प्रोजेक्ट के ऐलान के बाद से ही वहां के ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रोपवे बनने से देवता खुश नहीं हैं। अब कंगना रनौत ने भी इसका विरोध किया है। कंगना ने इसको लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात भी की। कंगना ने गडकरी से कहा कि अगर हमारे देवता नहीं चाहते हैं तो यहां ये प्रोजेक्ट बंद होना चाहिए। हमारे लिए हमारे देवता का आदेश आधुनिकीकरण से ज्यादा जरूरी है। बता दें कि कुल्लू घाटी के सुंदर गांव काशवरी में स्थित बिजली महादेव मंदिर 2460 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह भारत के प्राचीन मंदिरों में से एक है और कहते हैं कि यहां स्थापित शिवलिंग पर हर 12 साल में बिजली गिरती है और इसके बाद शिवलिंग के टुकड़े हो जाते हैं। कंगना के विरोध के बाद अब यह प्रोजेक्ट मुश्किल में है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

असहाय भाव से मुक्त कीजिए युवाओं को

विश्वनाथ सचदेव

अपने हालिया अमेरिकी दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका में बसे भारतीयों को पिछले एक दशक में हुए भारत के विकास का विवरण दे रहे थे। उन्होंने आंकड़े देकर बताया कि इस दौरान भारत में कितने आईआईटी और कितने आईआईएम खोले गए। उनका यह भाषण देश के टीवी चैनलों पर शायद लाइव दिखाया जा रहा था। मुम्बई की लोकल गाड़ी में मेरे साथ बैठे कुछ युवा मोबाइल पर यह सब देख रहे थे। तभी उनमें से एक बोल पड़ा, 'इनको पता ही नहीं है कि देश के कितने नौजवान बेकार बैठे हैं।' वह आगे कुछ और भी कह रहा था, पर मेरा ध्यान इसी वाक्यांश पर अटक गया कि 'इनको पता ही नहीं है।' इनको यानी उन सबको जिनके कंधों पर यह जानने का बोझ है कि उनकी नीतियों से देश का नौजवान कितना लाभान्वित हो रहा है। उस दिन एक खबर आई थी टी.वी. पर।

खबर हरियाणा के बारे में थी, जहां आजकल दिन-रात हमारे नेतागण अपनी तारीफों और दूसरों की बुराइयों में लगे हुए हैं। खबर में बताया गया था कि सफाई कर्मचारी के पद पाने के लिए तीन लाख 95 हजार युवाओं ने आवेदन किया है। खबर में यह भी बताया गया था कि इनमें से चालीस हजार तो स्नातक पदवीधारी हैं और लगभग सवा लाख बारहवीं पास हैं! कोई भी काम छोटा नहीं होता, लेकिन इस खबर से यह तो पता चल ही रहा है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था का नागरिकों के जीवन-यापन से कितना और कैसा रिश्ता है। सफाई का काम कर पाने के लिए किसी को कितनी पढ़ाई करने की आवश्यकता है? किसी का स्नातक होना तो इसकी अर्हता हो ही नहीं सकती। होनी भी नहीं चाहिए। सफाई कर्मचारी की नौकरी पाने के लिए तो यह लगभग चालीस हजार युवा नहीं पढ़ रहे थे। कुछ सपने होंगे इनके भी। निश्चित रूप से जीवन की विवशताओं के समक्ष हार मानने के बाद ही इन युवाओं ने इस नौकरी के लिए आवेदन किया होगा। क्या उन्हें यह बात पता है जिन्हें पता होनी चाहिए? मुम्बई की लोकल गाड़ी में सफर करने वाले उस युवक ने अपने प्रधानमंत्री का भाषण सुनते हुए कहा था, 'इन्हें पता ही नहीं है।'

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी (सीएमआईई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत है। अपने विकसित देश होने का सपना देखने वाले देश के लिए यह आंकड़े

चिंता और शर्म दोनों का विषय होने चाहिए। हमारे नेता यह बात करते नहीं थकते कि पिछले एक दशक में हमारी अर्थव्यवस्था 90 प्रतिशत बढ़ गई है और भारत के लोग नए विश्वास से भरे हुए हैं। ये दोनों बातें सही हो सकती हैं, पर इस तथ्य को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि आज देश में रोजगार के अवसर उतने नहीं हैं जितने होने चाहिए। आईआईएम और आईआईटी संबंधी दावों के बरक्स सच्चाई यह भी है कि हमारे विश्वविद्यालयों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी गणना दुनिया के श्रेष्ठ समझे जाने वाले पहले सौ विश्वविद्यालयों में की जा सकती हो! अमेरिका में अपने भाषण में प्रधानमंत्रीजी ने हमारे सदियों पुराने विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से साकार करने का सपना दिखाया है। कौन नहीं चाहेगा कि उनका यह सपना साकार हो? पर इस सच्चाई को भी नहीं झुठलाया जा सकता कि अमेरिका में बसे जिन भारतीयों को वे संबोधित कर रहे थे, उनमें से अधिसंख्य वहां के श्रेष्ठ समझे जाने वाले विश्वविद्यालयों में पढ़ने गए थे। यूक्रेन और बांग्लादेश जैसे छोटे देशों में भी हमारे देश के विद्यार्थी पढ़ने जा रहे हैं! बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा और बेहतर जीवन-स्तर किसी भी देश के विकसित होने को सही तरीके से परिभाषित करते हैं। किसी भी अर्थव्यवस्था की सफलता और मजबूती का बुनियादी मानदंड यही है कि हर हाथ को काम, हर सिर को छत, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का उचित और पर्याप्त अवसर मिले। जब व्यक्ति को चाहने और प्रयास करने पर भी अपनी योग्यता और क्षमता के अनुरूप कार्य नहीं मिलता, तो अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी अपना सिर उठाने लगती है। दावे या वादे भले ही कुछ भी किए जा रहे हों, सच्चाई यह है कि आज देश का युवा अपने आप को असहाय पा रहा है। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए।

इस बात की अवहेलना नहीं होनी चाहिए कि बेरोजगारी अंततः विकास की दर को कम करती है और अर्थव्यवस्था में विकास को धीमा बनाती है। इसका सीधा असर गरीबी के स्तर पर पड़ता है। और इसका मतलब होता है कुपोषण को बढ़ावा। यह एक ऐसा दुष्चक्र है जो सारे गणित गड़बड़ा देता है। यह मानना गलत होगा कि हमारे नेतृत्व को यह सब पता नहीं है। बेरोजगारी जैसी समस्या कोई छिपी हुई बात नहीं है। सब इस बात से वाकिफ हैं और सब जानते हैं कि हमारा युवा देश इस दुष्चक्र का शिकार बन रहा है। भारत में युवाओं की संख्या दुनिया के सभी देशों से अधिक है। हमारी 75 प्रतिशत से अधिक आबादी की आयु 35 वर्ष से कम है।

श्रीलंका की दिशा-दशा तय करेंगे दिसानायके

अरुण नैथानी

श्रीलंका के हालिया राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा दिसानायके की जीत ने राजनीतिक पंडितों को चौंकाया है। वजह यह है कि पिछले राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें महज तीन फीसदी मत ही मिले थे। वहीं संसद में उनके गठबंधन के महज तीन सांसद थे। यही वजह है कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद बने माहौल में संसद के लिये नया जनादेश पाने के लिये उन्होंने संसद को भंग कर दिया है। इस मामले में भारतीय कूटनीति को दाद देनी होगी कि श्रीलंका में राजनीतिक रुझान को महसूस करके गत फरवरी में अनुरा दिसानायके का सफल भारत दौरा आयोजित किया गया। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि वामपंथी रुझान वाले दिसानायके दिल्ली की दक्षिणपंथी रुझान वाली सरकार से कैसा तालमेल बनाएंगे। बहरहाल, श्रीलंका में राजनीतिक भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली व परंपरागत सत्ताधीशों के प्रति अविश्वास से मुक्त कराने के वादे ने दिसानायके को ताकत दी है।

दो साल पहले धराशायी अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने के उनके आश्वासन पर श्रीलंका की जनता ने विश्वास किया है। दूसरे राउंड में मिले अधिक मतों से वे पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को तीसरे स्थान में धकेलने में कामयाब हो गए। निस्संदेह, दिसानायके की यह जीत चौंकाने वाली है, जिसके मूल में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखरता और गरीबों को राहत देने के उनके एजेंडे को सार्थक प्रतिसाद मिला है। वे जनता में भरोसा जगाने में कामयाब हुए कि अब वही देश को मंदी व आर्थिक बदहाली के भंवर से निकाला जा सकता है। कभी भारत के मुखर विरोधी रहे राजनीतिक दल जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी से जुड़े रहे दिसानायके अब सरकार के खिलाफ चले हिंसक खूनी आंदोलन को गलत मानते हैं। केंद्रीय श्रीलंका के गालेवेला में 24 नवंबर, 1968 में जन्मे दिसानायके ने उस दौर में छात्र राजनीति में सक्रियता बढ़ाई जब रक्तपात से गुजरते श्रीलंका में वर्ष 1987 के दौरान भारत-श्रीलंका समझौता हुआ था। मध्य वर्गीय परिवार में जन्मे दिसानायके की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई।

उन्होंने भौतिक विज्ञान में डिग्री हासिल की थी। तब युवाओं में पनपे देशव्यापी आक्रोश के बीच जेवीपी हिंसक अभियानों के लिये जाना जाता था। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गये थे। कालांतर में वर्ष 1997 में वे जेवीपी की केंद्रीय कमेटी के लिये चुने गए थे। वैसे हाल में उन्होंने उस दौर में रक्तपात के लिये माफी भी मांगी है। उन्होंने स्वीकारा कि यह हिंसक संघर्ष नहीं होना चाहिए था। वहीं उन्होंने वर्ष 2019 के सिलसिलेवार धमाकों की जांच कराने का भी वादा किया है, जिसमें तीन सौ के करीब लोग मारे गए थे। लोग गोटाबाया राजपक्षे पर जांच को बाधित करने के आरोप लगाते हैं।

दरअसल, इस चुनाव में दिसानायके ने राजनेताओं के भ्रष्टाचार, आर्थिक नीतियों की विफलता, कानून अव्यवस्था के लिये तत्कालीन सत्ताधीशों को दोषी बताते हुए नई पारदर्शी शासन व्यवस्था देने का वादा किया। उन्होंने आर्थिक संकट से जनता को हुए कष्टों के लिये नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे देश को बदहाली से मुक्त करा सकते हैं।

दरअसल, कुशासन, कोरोना संकट व राजनीतिक भ्रष्टाचार से जहां देश पर अरबों डालर कर्ज चढ़ा, वहीं मुद्रास्फीति कुलांचें भरने लगी। विदेशी मुद्रा भंडार निचले स्तर पर जा पहुंचा। हालांकि, विक्रमसिंघे के प्रयासों से आईएमएफ से मिले कर्ज व भारतीय मदद से हालात में सुधार हुआ, लेकिन स्थितियां पहले जैसी नहीं हो सकीं। यह वजह है कि श्रीलंका के जनमानस ने बदलाव के लिये दिसानायके को राष्ट्रपति चुना। दिसानायके देश के जनमानस को यह भरोसा दिलाने में सफल रहे कि वे देश को राजनीतिक भ्रष्टाचार व कुशासन से मुक्ति दिला सकते हैं। उनका कहना है कि वे जनता पर लगे टैक्स कम करेंगे और नये सिरे से कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेंगे। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएंगे। यही वजह है कि मतदाताओं ने आर्थिक चिंताओं के बीच दिसानायके में नई उम्मीद देखी। दरअसल, आम मतदाता कष्टदायी महंगाई से मुक्त होकर सामान्य जीवन जीने का आकांक्षी है। वैसे आईएमएफ से मिले राहत पैकेज और उसके लिये लागू सख्त आर्थिक अनुशासन से मुक्त होना दिसानायके के लिये आसान भी नहीं होगा। इसमें संतुलन बनाकर ही उन्हें जनता का विश्वास हासिल करना होगा। उन्हें सरकार के खर्चों में कटौती संग राजस्व के नये स्रोत तलाशने होंगे।

अब कयास यह लगाये जा रहे हैं कि दिसानायके के वामपंथी रुझान के बीच श्रीलंका के संबंध चीन से अधिक मजबूत होंगे या भारत से। हालांकि, गत फरवरी में भारत का दौरा करने वाले दिसानायके भारत के साथ अच्छे संबंधों की बात कर रहे हैं। कभी भारत विरोधी रहे जेवीपी के भारत के प्रति रुझान में हाल के वर्षों में बदलाव आया है। आशा की जानी चाहिए कि दिसानायके भारत को लेकर संतुलित नीति अपनाएंगे। उन्हें याद रखना होगा कि आर्थिक संकट में फंसे श्रीलंका से जब चीन ने आंख फेर ली थी तो भारत सबसे बड़े मददगार के रूप में सामने आया था। वैसे हाल के वर्षों में दिसानायके श्रीलंका को किसी गुट से मुक्त रखकर सुशासन पर बल देते रहे हैं। दिसानायके को सोचना होगा कि अभी श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पटरी पर नहीं आयी है और उस पर आईएमएफ का बड़ा कर्जा बना हुआ है। ऐसे में भारत ही विश्वसनीय साथी की भूमिका निभा सकता है। अनुमान है कि वे भारत व चीन के साथ संबंधों में संतुलन कायम करके ही विदेशी नीति का निर्धारण करेंगे। भारत से करीबी भौगोलिक व समुद्री सीमा सामरिक दृष्टि से भी श्रीलंका के हित में रहेगी।

शेविंग से कट लगने और जलन से इनसे मिलेगी राहत

जो पुरुष दाढ़ी रखते हैं, वो इसे काफी अच्छे से मैंटेन भी करते हैं। दाढ़ी मैंटेन करने के लिए बहुत से पुरुष तो बाहर जाकर शेव कराते हैं लेकिन बहुत से पुरुष घर पर ही शेव करना सही समझते हैं। कई बार जल्दबाजी के चक्कर में रेजर के त्वचा कट जाती है, जिसे हम रेजर बर्न कहते हैं। रेजर से कट होने की वजह से कई बार परेशानी इस कदर बढ़ जाती है कि घाव तक हो जाता है। कई बार तो रेजर कट की वजह से स्किन हल्की खुरदुरी हो जाती है और दाने निकलने लगते हैं। आमतौर पर ये समस्या खराब क्वालिटी का रेजर या ब्लेड यूज करने के कारण होती है। ऐसे अगर शेविंग करते वक्त रेजर से कट लग गया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप कुछ घरेलू चीजों के इस्तेमाल से इस समस्या से राहत पा सकते हैं।

हल्दी पाउडर या शहद

अगर आपको कहीं कुछ न मिले तो रेजर के कट लगने पर तुरंत ही हल्दी पाउडर का उपयोग करें। इसमें प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं, जो घाव को जल्दी सही करते हैं और संक्रमण को भी रोकते हैं। शहद में कई प्रकार के एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। ऐसे में रेजर से कट लगने पर इसे तत्काल प्रभाव से कट पर लगाएं। ये आपके घाव को जल्द ही भरने का काम करेगा।

फिटकरी

आपको आपकी रसोई में फिटकरी अवश्य मिल जाएगी। ऐसे में जब शेविंग करते वक्त कट लग जाए तो फिटकरी को साबुन की तरह त्वचा पर मलें। इससे खून रुक जाएगा और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहेगा। ये जलन से भी राहत दिलाएगी।

ठंडा पानी और बर्फ

जैसे ही रेजर से कट लगे तो बिना सोचे सबसे पहले कट पर ठंडा पानी डालें। ये तुरंत ही खून को रोकने का काम करता है। इसके साथ ही आप आईस क्यूब का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ठंडे पानी और बर्फ के इस्तेमाल से जलन से भी राहत मिलती है।

नारियल तेल

आपको आपके घर में नारियल का तेल अवश्य मिल जाएगा। ऐसे में कट लगने पर तुरंत नारियल तेल का उपयोग करें। यह एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके इस्तेमाल से संक्रमण का खतरा टल जाएगा। इसके अलावा स्किन पर होने वाली समस्याओं को दूर कर सकते हैं। यदि आपकी स्किन बेहद ड्राई रहती है तो रात में सोने से पहले थोड़े से कोकोनट ऑयल से मालिश करें। सुबह तक आपकी त्वचा बहुत ही स्मूद और सॉफ्ट हो जायेगी।

एलोवेरा जेल

हर घर में एलोवेरा का पौधा तो होता ही है। ऐसे में आप अपने कट लगने पर तत्काल ही एलोवेरा जेल का उपयोग करें। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और घाव को तेजी से ठीक करने में मदद करता है। एलोवेरा में सैलिसिलिक एसिड होता है, जिसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव होते हैं, जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। साथ ही रेडनेस और जलन को कम करके त्वचा को आराम पहुंचाते हैं।

हंसना मना है

इतवार के दिन बैंक कर्मचारी की बीवी- उठो, जागो.. देखो मेरे मम्मी पापा आए हैं, आदमी उनको कहो लाइन में लगें, और आईडी साथ में रखें।

पैसे वाला आदमी-आज मेरे पास 14 कार, 18 दूकान, 4 बंगले हैं .. तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी-मेरे पास 1 बेटा है जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

एक बार एक आदमी जंगल में जा रहा था। अचानक शेर देखकर सांस रोककर जमीन में लेट गया। ये देख कर शेर आया और उसके कान में बोला! सावन है बेटा, वरना सारी होशियारी निकाल देता।

साईकल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला। साईकल वाला- आप बहुत लकी हो, आदमी-ओए, एक तो मुझे साईकल मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे? साईकल वाला-आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

एक लड़का एक सुंदर लड़की को बड़ी देर से घूर रहा था.. लड़की (गुस्से में)- क्या देख रहे हो? लड़का (हड़बड़ी में)- देख रहा हूं कि अगर तुम मेरी अम्मा होती तो मैं भी सुन्दर होता..!

कहानी | कठिनाइयों में शांत रहना, वास्तव में शांति है

एक राजा को चित्रकला से बहुत प्रेम था। एक बार उसने घोषणा की कि जो चित्रकार शांति को दर्शाता चित्र बनाएगा उसे मुंह मांगा पुरस्कार देगा। कई चित्रकार अपने-अपने चित्र लेकर राजा के महल पहुंचे। राजा ने सभी चित्रों को देखा और उनमें से दो चित्रों को अलग रखवा दिया। पहले चित्र में झील का पानी इतना स्वच्छ था कि उसके अंदर की सतह तक दिखाई दे रही थी। आस-पास विद्यमान हिमखंडों की छवि उस पर ऐसे उभर रही थी मानो कोई दर्पण रखा हो। ऊपर की ओर नीला आसमान और रुई के गोलों के सामान सफ़ेद बादल तैर रहे थे। सभी ने कहा वास्तव में यही शांति का एक मात्र प्रतीक है। दूसरे चित्र में भी पहाड़ थे, इन पहाड़ों के ऊपर घने गरजते बादल थे जिनमें बिजलियां चमक रहीं थीं, घनघोर वर्षा होने से नदी उफान पर थी, तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थे और पहाड़ी के एक ओर स्थित झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। सभी देखने वालों ने कहा भला इसका शांति से क्या लेना देना? सभी को उम्मीद थी कि पहले चित्र को ही पुरस्कार मिलेगा। तभी राजा ने घोषणा की कि दूसरा चित्र बनाने वाले चित्रकार को वह मुंह मांगा पुरस्कार देंगे। हर कोई आश्चर्य में था! पहला चित्रकार बोला- महाराज उस चित्र में ऐसा क्या है जो आपने उसे पुरस्कार देने का फैसला लिया, आओ मेरे साथ! दूसरे चित्र के समक्ष पहुंच कर राजा बोले- झरने के बायीं ओर हवा से एक ओर झुके इस वृक्ष को देखो। उसकी डाली पर बने उस घोंसले को देखो, कैसे एक चिड़िया इतनी कोमलता से, इतने शांत भाव व प्रेमपूर्वक अपने बच्चों को भोजन करा रही है। फिर राजा ने कहा कि शांत होने का अर्थ यह नहीं है कि आप ऐसी स्थिति में हों जहां कोई शोर नहीं हो, कोई समस्या नहीं हो, जहां कड़ी मेहनत नहीं हो, जहां आपकी परीक्षा नहीं हो। शांत होने का सही अर्थ है कि आप हर तरह की अव्यवस्था, अशांति, अराजकता के बीच हों और फिर भी आप शांत रहें, अपने काम पर केंद्रित रहें अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें। अब सभी समझ चुके थे कि दूसरे चित्र को राजा ने क्यों चुना है। हर कोई अपने जीवन में शांति चाहता है। परंतु प्राय: हम शांति को कोई बाहरी वस्तु समझ लेते हैं, और उसे दूरस्थ स्थलों में ढूंढते हैं, जबकि शांति पूरी तरह से हमारे मन की भीतरी चेतना है। और सत्य यही है कि सभी दु:ख-दर्दों, कष्टों और कठिनाइयों के बीच भी शांत रहना ही वास्तव में शांति है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें।

वृषभ
व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी। सामाजिक कार्यों में सीमित रहना चाहिए। समय का सदुपयोग होगा। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

मिथुन
स्थायी संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें। विरोधियों एवं शत्रुओं के कारण अशांति होगी।

कर्क
मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे।

सिंह
व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी। आज स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कन्या
पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी।

तुला
मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। व्यापार-व्यवसाय में अनुकूल अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा।

धनु
आज अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी।

मकर
प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी। व्यापार में नई योजनाओं का श्रीगणेश संभव है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कुम्भ
नई योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। समाज, परिवार में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा। कार्यस्थल पर सुधार होगा।

मीन
आज अचानक धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा।

अब 'औरों में कहां दम था' का ओटीटी पर उठाइये लुत्फ

बॉलीवुड मसाला

अजय देवगन और तब्बू की फिल्म रोमांटिक थ्रिलर फिल्म औरों में कहां दम था बॉक्स ऑफिस पर तो कुछ खास नहीं कर सकी। इस फिल्म को अब ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 2 अगस्त 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म के साथ दोनों दसवीं बार एक साथ काम किया है।

27 सितंबर को प्राइम वीडियो के सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म औरों में कहां दम था की रिलीज की घोषणा की गई। इसमें कैप्शन दिया गया है दो दिल जो समय के कारण बिछड़ गए लेकिन प्यार के कारण फिर एक हो गए। प्राइम वीडियो के एक पोस्ट में फिल्म की सभी स्टार कास्ट को भी टैग किया गया है।

वहीं, फिल्म के कलाकारों की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है।

प्रशंसकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

प्राइम वीडियो की ओर से फिल्म औरों में कहां दम था की रिलीज की घोषणा पर प्रशंसकों ने भी प्रतिक्रिया दी है। एक प्रशंसक ने लिखा, अगर आप सच्चे प्यार को समझना चाहते हैं तो ये फिल्म जरूर देखें। अजय देवगन के प्रशंसकों के लिए फिल्म की ओटीटी रिलीज वाकई खास है। बात करें अजय देवगन के वर्कफ्रंट की तो वह जल्द ही सिंघम अगेन में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 1 नवंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी।

28 सालों से पति नीरज कपूर से दूर रह रही हैं अलका याग्निक

अलका याग्निक को भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महान सिंगर्स में से एक माना जाता है। उन्होंने हिंदी फिल्मों में कई शानदार गाने दिए हैं। वहीं अलका याग्निक की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी लव स्टोरी किसी हैप्पी एंडिंग वाली फिल्म की कहानी से कम नहीं है। देश में सबसे पॉपुलर नामों में से एक होने के बावजूद, अलका याज्ञनिक अपनी पर्सनल लाइफ को निजी रखना पसंद करती हैं।

बता दें कि सिंगर ने बिजनेसमैन नीरज कपूर से शादी की है। इस जोड़े की एक बेटी है जिसका नाम सायशा कपूर है। दिलचस्प बात ये है कि अलका और उनके पति नीरज पिछले 28 सालों से लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज निभा रहे हैं रिपोर्ट्स के मुताबिक अलका याज्ञनिक की नीरज कपूर से पहली मुलाकात ट्रेन में हुई थी। दो साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 1989 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे।

हालांकि शादी के मुकाम तक पहुंचना इस जोड़े के लिए आसान रास्ता नहीं था। इसलिए, जब अलका याग्निक ने अपने माता-पिता को नीरज के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताया, तो वे नहीं चाहते थे कि वह उनसे शादी करें। चूंकि नीरज कपूर शिलॉन्ग बेस्ड बिजनेसमैन थे, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि दोनों के बीच लंबी दूरी का रिश्ता उनके विवाहित जीवन में एक बड़ी परेशानी बन सकता है।

हालांकि अलका ने विश्वास नहीं खोया और आश्वस्त रहीं, क्योंकि नीरज ने अपना बेस मुंबई शिफ्ट करने का फैसला किया था। जब उनकी शादी हो गई तो नीरज मुंबई चले आए और अपना बिजनेस शुरू कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें उस जगह पर बड़ा नुकसान हुआ।

एक पुराने इंटरव्यू में अलका ने खुलासा किया था कि उन्होंने खुद नीरज को शिलॉन्ग वापस शिफ्ट होने और अपना बिजनेस जारी रखने के लिए कहा था। अपनी शादी के चार-पांच साल बाद, दोनों कथित तौर पर अपनी मैरिड लाइफ में कठिन दौर से गुज़रे, लेकिन दोनों को एहसास हुआ कि वे एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। पिछले 28 सालों से नीरज कपूर और अलका याग्निक ने लंबी दूरी का रिश्ता कायम रखा है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे अमीर दिखाने में होती है दिक्कत : मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी को बॉलीवुड के सबसे दमदार एक्टर्स में गिना जाता है। कई सालों से फिल्मों में दमदार किरदार निभाते आ रहे मनोज हमेशा क्रिटिक्स के फेवरेट तो रहे ही, मगर द फैमिली मैन आने के बाद तो जनता मनोज के लिए क्रेजी ही हो गई। हाल ही में मनोज को फिल्म गुलमोहर के लिए नेशनल अवॉर्ड्स में स्पेशल मेंशन भी मिला। मगर देश के सबसे बेहतरीन एक्टिंग टैलेंट्स में से एक मनोज ने अब कहा है कि वो भी इंडस्ट्री में एक्टर्स को स्टीरियोटाइप किए जाने की बात से परेशान हैं। हाल ही में एक इंटरेक्शन में मनोज ने कहा कि उन्हें ऐसे किरदारों में ज्यादा कास्ट किया जाता है जो मिडल क्लास और लोअर मिडल क्लास कहानियों में सेट हैं। उन्होंने कहा, गुलमोहर (2023) से पहले एकमात्र फिल्म जिसमें मुझे अमीर आदमी दिखाया गया वो जुबैदा (2001) थी। वो श्याम बेनेगल का कन्विक्शन था। उनका ये यकीन था कि असली महाराजा ग्रीक गॉड नहीं होते थे। वो नॉर्मल दिखते थे, वीर जारा (2004) में मैंने पाकिस्तान के एक पॉलिटिशियन का किरदार निभाया। उसमें मेरे बस दो सीन थे, लेकिन यश जी अड़े हुए थे कि मैं ये किरदार करूं। उन्होंने मुझे पिंजर (2003) देखने के बाद कास्ट किया था। मनोज ने कहा कि इन फिल्ममेकर्स के पास वो विजन था, जो जीवन को करीब से जीने पर आता है। मनोज ने कहा कि इससे उलट दूसरे फिल्ममेकर्स उन्हें एक अमीर आदमी दिखाने में हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, बाकियों को मुझे अमीर दिखाने में दिक्कत होती है। मैंने जो किरदार किए वो सब मिडल क्लास और लोअर मिडल क्लास कहानियों में सेट थे। मुझे कभी हाई सोसाइटी किरदारों के लिए नहीं चुना जाता। जिनका मैंने नाम लिया, उन दो आइकॉन्स के अलावा कोई भी डायरेक्टर मुझे अमीर आदमी के तौर पर सोच ही नहीं पा रहा। ये स्टीरियोटाइपिंग एक्सिस्ट करती है। मनोज वाजपेयी के लिए ये साल बहुत कमाल का रहा है। वो इस साल तीन फिल्मों- द फेबल, साइलेंस 2 और भैया जी, के अलावा नेटफ्लिक्स शो किलर सूप में भी नजर आ चुके हैं। इन दिनों मनोज अपने बेहद पॉपुलर प्राइम वीडियो शो द फैमिली मैन का सीजन 3 शूट कर रहे हैं।

न कॉलेज की डिग्री न महंगी पढ़ाई, फिर भी डेढ़ करोड़ का पैकेज पाता है यह बिजली मिस्त्री !

आज की दुनिया में विज्ञान और शिक्षा के साथ-साथ आर्थिक स्तर पर भी काफी बदलाव हो चुके हैं। पहले जहां लोग मेहनत करने के बाद भी अच्छी कमाई नहीं कर पाते थे, वहीं अब अगर किसी काम में कोई कुशल है, तो उसे नौकरी और पैसों की कोई कमी नहीं है। आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बताएंगे, जिसकी सैलरी सुनकर डॉक्टर-इंजीनियर भी अपनी डिग्री फाड़ देंगे।

कहां लोग कहते हैं कि आज के जमाने में बिना पढ़े-लिखे नौकरी मिलना बहुत मुश्किल है, वहीं एक इलेक्ट्रिशियन करोड़ों में खेल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में काम करने वाला एक बिजली मिस्त्री साल भी डेढ़ करोड़ की कमाई कर रहा है, वो बिना किसी खास पढ़ाई या फैंसी सर्टिफिकेट के।

त्द्द्ध्लध्द्द्धुस्र नाम के सोशल मीडिया अकाउंट को चलाने वाले एक शख्स को ये ऑस्ट्रेलियन इलेक्ट्रिशियन मिला। जब उसने बताया कि सालभर में उसकी कमाई .178,000 यानि लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है, तो हर कोई सन्न रह गया। उसने बताया कि अपने करियर की शुरुआत उसने इंस्ट्रूमेंटल टिकट पाने के बाद की थी। उसने बताया कि वो गैस एंड ऑयल इंडस्ट्री में काम करता है और वहां पर हमेशा ही इलेक्ट्रिशियन के लिए जगह खाली रहती है। ऐसे में उन्हें पैसे भी अच्छे मिलते हैं और किसी खास पढ़ाई की जरूरत नहीं होती। उसने बताया कि अगर वो इलेक्ट्रिशन न होता तो कोई दूसरा स्किल्ड लेबर का ही काम कर रहा होता। talent.com के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में स्किल्ड लेबर का काम करने वालों को ट्रेडी कहा जाता है, जो इलेक्ट्रिशियन, माइनर, प्लमर से लेकर कुछ भी हो सकते हैं। इन्हें कम से कम 80-90 लाख की सैलरी आराम से मिल जाती है। शुरुआत ही 50-60 लाख रुपये के पैकेज से होती है और अनुभव बढ़ने के साथ-साथ इन्हें 1 करोड़ तक का पैकेज मिल जाता है। ऑयल एंड गैस, मैन्यूफैक्चरिंग, कैमिकल प्लांट्स, बिजली और फार्मा में इनकी खास जरूरत होती है। इलेक्ट्रिशियन के बारे में जानकर लोगों ने सोशल मीडिया पर कहा कि इतने पैसे तो उन्हें टीचर या नर्स की नौकरी करके कभी नहीं मिल पाए।

अजब-गजब | अजीबोगरीब है इस कैफे की सर्विस

गाली देकर होता है इस कैफे में स्वागत चप्पल से पीटकर होती है वीआईपी सर्विस

आप अगर आउटिंग का प्लान करते हैं तो कोशिश होती है ऐसी जगह ढूंढने की, जो सभ्य हो और जहां स्टाफ भी अपनी सर्विस में कोई कमी नहीं रखता हो। कहीं भी जाना हो, सबसे पहले ये चेक किया जाता है कि वहां क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं। सोचिए, ऐसे में अगर आपको डायनिंग के लिए पहुंचते ही स्टाफ गालियां देने लगे, तो आपका क्या रिएक्शन होगा?

आप भी सोच रहे होंगे कि ये कैसा सवाल था, भला ऐसा कोई क्यों करेगा? दरअसल हम आपको ये सब इसलिए बता रहे हैं क्योंकि एक कैफे भी है, जहां पैसे लेकर भी कस्टमर्स को गालियां दी जाती हैं। जापान के इस कैफे को जाना ही इसीलिए जाता है कि यहां पर स्वागत सत्कार के बजाय जाते ही ग्राहकों को गाली दी जाती है। इतना ही नहीं अगर वो वीआईपी सर्विस लेते हैं, तो उन्हें चप्पल भी मारी जाती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जापान की राजधानी टोक्यो में एक खास कैफे खुला हुआ है, जो लोगों को गाली देने और ज़रूरत पड़े तो मारने में भी पीछे नहीं हटता। जापानी एनफ्लुएंसर Nobuyuki Sakuma ने इस कैफे की कुछ खूबसूरत वेट्रेसेज को बुलाया, जिन्होंने लाइव गालियां देकर बताया कि वो किस तरह से लोगों को उकसाती हैं। जो सब सुनकर

भी सह लेता है, वही विनर है। Bato Cafe Omokenashi Café में गुलाबी पोशाक में सजी वेट्रेसेज़ वैसे तो नॉर्मल स्टाफ की ही तरह लगती हैं, जब तक वो अपना मुंह न खोलें।

कुछ लोगों ने इससे जुड़े हुए एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। एक शख्स ने बताया कि उसे वेट्रेस ने 'सुअर' कहकर संबोधित किया और खाने के साथ चॉपस्टिक्स भी नहीं दिए। इस तरह के गाली खाने वाले सेशन के लिए पहले से बुकिंग होती है, जो एक घंटा चलते हैं। इनकी वीआईपी सर्विस भी है, जिसमें ग्राहकों को वेट्रेसेज़ चप्पल से चेहरे पर पीछे की ओर भी मारती हैं। लोग मार खाते हुए फोटो भी खिंचाते हैं और अपने साथ ले जाते हैं। अगर कोई गाली नहीं खाना चाहता, तो वो 'No Abuse' का कार्ड पहनकर जा सकता है।

मप्र में भाजपा सदस्यता अभियान के लिए करवा रही हिंसा : दिग्विजय

बोले- लोगों को दबाव में लेकर बना रहे सदस्य

हिंसा में पीड़ित के परिजनों को रिहा करने की अपील

» भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाजापुर (मध्यप्रदेश)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एकबार फिर बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले के मक्सी में इस सप्ताह हिंसा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यता अभियान के कारण हुई। भाजपा ने सिंह के आरोपों को निराधार और भ्रामक करार दिया। मक्सी में बुधवार रात करीब 9.30 बजे दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए थे। दोनों समूहों के सदस्यों ने पत्थर फेंके और आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल किया।

जिला अधिकारियों के अनुसार, हिंसा सोमवार को दो समूहों के बीच हुए टकराव का नतीजा थी। मक्सी जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर है। सिंह ने संवाददाताओं से कहा, मक्सी में हुई घटना पूरी तरह से भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान डाले जा रहे दबाव का नतीजा थी। लोगों से खुलेआम कहा जा रहा है कि वे भाजपा के सदस्य बनें या सीने में गोली खा लो। सिंह ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राजगढ़ से चुनाव लड़ा था, लेकिन असफल रहे थे। वे अमजद खान के परिजनों से मिलने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। खान की मौत झड़प में गोली लगने से हुई थी, खान के भाई अनवर ने सिंह को घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सिंह ने मक्सी के पुलिस अधीक्षक और निरीक्षक के तबादले के साथ ही जेल में बंद खान के कुछ रिश्तेदारों को रिहा करने की मांग की। राज्यसभा सदस्य ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से हिंसा की न्यायिक जांच का आदेश देने का भी अनुरोध किया। सिंह ने आरोप लगाया है जब एक व्यक्ति मक्सी पुलिस निरीक्षक के पास (सोमवार को) शिकायत दर्ज कराने गया, तो उस पर मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। अगले दिन, जब उसके परिजन शाजापुर (जहां एसपी कार्यालय स्थित है) में शिकायत दर्ज कराने गए, तो उनके साथ मारपीट की गई और उनके घर को जलाने की तैयारी की गई।

हमारा सदस्यता अभियान लोकतांत्रिक है : अशोक नायक

इस पर पलटवार करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक नायक ने कहा, दिग्विजय सिंह का बयान पूरी तरह से निराधार और भ्रामक है। हमारा सदस्यता अभियान लोकतांत्रिक है, आम लोगों से जुड़ा है और राष्ट्रहित में है। इसमें हिंसा के लिए कोई जगह नही है। भाजपा के अनुसार, दो से 25 सितंबर के बीच मध्यप्रदेश मे कुल1,00,81,432 लोग पार्टी के सदस्य बने है, जो उत्तर प्रदेश के बाद सबसे अधिक है। सदस्यता अभियान का दूसरा चरण एक अक्टूबर को शुरू हुआ और 15 अक्टूबर को समाप्त होगा।

प्रदेश में कानून व्यवस्था का भय खत्म : कमलनाथ

मध्य प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र में लगातार बच्चियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले सामने आ रहे हैं। इसे लेकर कांग्रेस के सभी बड़े नेता सरकार को घेरते नजर आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध की घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर महिला उत्पीड़न और दुष्कर्म की घटनाओं को अत्यंत निंदनीय बताया है। प्रदेश में हर रोज सामने आ रही महिला उत्पीड़न और दुष्कर्म की घटनाएं अत्यंत निंदनीय हैं। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ हो रहे कुकृत्य के समाचार अखबारों में पढ़कर सिर शर्म से झुक जाता है। कमलनाथ ने अपने सोशल साइट एक पर लिखा कि प्रदेश का कोई इलाका ऐसा नहीं है जहां बेटियां और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। इससे भी बड़ा दुर्भाग्य यह है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनकी सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई भी कदम उठाने का इरादा नहीं रखती। असली क़ानून व्यवस्था वह होती है जिसके डर से असामाजिक तत्व इस तरह की घटनाएं अंजाम देने से डरें, लेकिन प्रदेश में क़ानून व्यवस्था का भय बिलकुल खत्म होता जा रहा है। मैं मुख्यमंत्री से माँग करता हूं कि इस संबंध में उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया जाए, सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को महिला अपराधों से निपटने की विशेष ट्रेनिंग दी जाए और स्कूलों में विशेष कैंप लगाकर बेटियों को अपनी सुरक्षा के उपाय के बारे में सजग और सतर्क होने का प्रशिक्षण दिया जाए।

फोटो:4 पीएम

निर्माण कार्य शहीद भगत सिंह वार्ड 13 स्थित पंडित दीन दयाल पुरम योजना कालोनी में सड़क निर्माण कार्य की प्रगति जानने के लिए पार्षद योगिता यादव व अन्य ने दौरा किया। वर्षों से जर्जर पड़ी यहां सड़क और नाली निर्माण कार्य शुरू होने से कालोनी के निवासियों में काफी उत्साह है।

जाति-धर्म के नाम पर जनता को भड़का रही भाजपा : सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में इसी साल संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने चहलकदमी तेज कर दी है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता जाति-धर्म के नाम पर जनता को भड़का रहे हैं।

वहीं रक्षामंत्री और भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि भ्रष्ट होने के बाद भी सोरेन खुद को शहीद बताते हैं। उनको सत्ता से बाहर करें। रांची में एक समारोह के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्होंने राज्य के लगभग 1.77 लाख किसानों का 400 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किया है। पहले सरकार ने 50,000 रुपये तक के कृषि ऋण माफ कर दिए थे।

खिलाड़ियों का राष्ट्रीय हैमर बॉल चैंपियनशिप में दिखा दमखम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यू पी हैमर बॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में प्रथम यूथ राष्ट्रीय हैमर बॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ हो गया। इसके बारे में बताते हुए हैमर बॉल एसोसिएशन के सचिव मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि यह प्रतियोगिता 27,28 व 29 सितंबर 2024 को जी एस आई इंस्टीट्यूट बक्शी का तालाब में आयोजित की जा रही है। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 12 टीम (पुरूष व महिला) भाग ले रही हैं।

जिसमे उड़ीसा, उत्तराखण्ड, एम पी, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, बिहार आदि प्रमुख है। हैमर बॉल खेल के बारे में जानकारी देते हुए मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि यह खेल भारत के प्राचीन एवं परंपरागत खेलो में से एक है जिसको विभिन्न नामों से जाना जाता है और हमारा उद्देश इसी तरह के खेलो को बढ़ावा देना है। यू पी हैमर बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मुशाहिद उल्ला खान ने भी खेल के बारे में जानकारी दी।

जीर्णोद्धार की बाट जोह रहा शाही पुल

» वर्जित होने के बाद भी गुजरते हैं भारी वाहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले की सबसे बड़ी नगर पंचायत दोस्तपुर की पहचान प्राचीन शाहीपुल उपेक्षा एवं दुर्दशा का शिकार है। मुगलकाल का बताया जाने वाला यह पुल समय के साथ जर्जर हो गया है। सुल्तानपुर को अंबेडकरनगर जनपद से जोड़ने वाले पुल की एप्रोच वॉल टूटने से गत वर्षों से भारी वाहनों का प्रवेश इस पर वर्जित कर दिया गया, हालांकि फिर भी चोरी छुपे कुछ बड़े वाहन अभी भी इस पुल से गुजर रहे है। ऐसे में ये किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहा है।

क्षेत्रीय लोगों ने इस प्राचीन पुल के जीर्णोद्धार न किये जाने पे रोष प्रकट किया है स्थानीय लोगों के अनुसार पुल 300 साल से ज्यादा पुराना है। कई वर्ष पहले एक कंपनी ने किनारे से खोदकर केबिल डाला था, जिसके बाद किनारों को सही तरीके से ढका नहीं गया। विगत वर्ष बारिश का पानी दीवारों में जाने से दबाव बढ़ गया, जिससे मिट्टी बह गई और पुल का किनारा गिर गया था। इसी मार्ग से इलाहाबाद, टांडा, बस्ती, गोरखपुर व फैजाबाद की बसें गुजरती हैं। वहीं कादीपुर विधानसभा एवं उसके आसपास की जनता इसी पुल के माध्यम से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक पहुंचती है।

सीमा विवाद में उलझा रहता है पुल यह पुल सुल्तानपुर और अम्बेडकरनगर की सीमा पर होने के कारण हमेशा सीमा विवाद में उलझा रहता है। इसी कारण से दोनों ही जिले के लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इसकी अनदेखी कर रहे हैं और इस पुल की मरम्मत नहीं हो पा रही। पुल के ऊपर सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। पुल के नीचे कोठारियां बनी हैं, जिनपे अतिक्रमण हो चुका है और गन्दगी का अम्बार है। गत वर्ष जब पुल की दीवार टूट कर बह गयी थी तब तत्कालीन अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने कहा था कि जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेज दी गयी है, अब एकमात्र विकल्प नए पुल का निर्माण है, इस बाबत सेतु निगम को भी प्रस्ताव भेजा गया है । उसके बाद सारी बातें हवा साबित हुई, और आज तक कोई इसकी सुध लेने नहीं आया ।

तालुकेदार अली आगा खां ने 1270 हिजरी में बनवाया था

पुल पर सफेद रंग की पट्टी में लगा फारसी भाषा का शिलापट पुल के निर्माण और मरम्मत की जानकारी देता है। शिलालेख के मुताबिक शाही पुल की एक बार मरम्मत मुगल तालुकेदार अली आगा खां ने 1270 हिजरी में कराई थी। तब से मरम्मत के अभाव में पुल कमजोर होता गया। पुल में लखौडी ईंट का प्रयोग किया गया है। इसकी जुड़ाई का कार्य भी विशेष प्रकार के मसाले से किया गया है। यह पुल जौनपुर के शाही पुल की तरह बनाया गया है। इस पुल के नीचे कोठरियां बनाई गई थीं, जहां बरसात के समय लोग रुक भी सकते थे और पानी निकासी की भी व्यवस्था थी। धीरे-धीरे अतिक्रमणकारियों ने पुल को क्षति पहुंचाई। साफ-सफाई व देखरेख के अभाव में ऐतिहासिक पुल दुर्दशा का शिकार हो गया।

अब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे घोटाले में आया अवनीश अवस्थी का नाम प्रधानमंत्री मोदी से की गयी शिकायत

» योगी के सलाहकार अवनीश अवस्थी पर लगे करोड़ों की हेराफेरी के आरोप

बंगले में पचास करोड़ की चोरी का सवाल भी चर्चा में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के चर्चित आइएएस अफ़सर रहे और वर्तमान में योगी के सलाहकार अवनीश अवस्थी एक के बाद एक विवादों में घिरते जा रहे हैं। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ कि उत्तराखंड के भीमताल के एक बंगले से 50 करोड़ की नक़दी चोरी हो गई।

सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि यह बंगला अवनीश अवस्थी का है जो उन्होंने अपने दामाद को गिफ़्ट किया है। इस चोरी की चर्चा के बीच अविनाश अवस्थी ने ट्वीट किया कि उन पर आरोप लगाने वालों पर वे कार्रवाई करेंगे है मगर इस बंगले की चोरी की शिकायत प्रधानमंत्री से भी की गयी है।

- पहले भी लगे थे पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में करोड़ों का घोटाला करने के आरोप
- दागी अवनीश अवस्थी को सलाहकार बनाने पर योगी पर भी हमला

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में 535 करोड़ की अनियमितता की जांच हो : अमिताभ

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे अथॉरिटी द्वारा बनाए गए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे में समय पूर्व बोनस भुगतान में 535 करोड़ की अनियमितता के आरोपों की जांच की मांग की है। भारत के प्रधानमंत्री तथा यूपी के मुख्यमंत्री को भेजी अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से कतिपय ऑडिट रिपोर्ट प्राप्त हुए हैं। अमिताभ ठाकुर ने इस पूरे प्रकरण की जांच कराते हुए उत्तरदायित्व तय कराए जाने और अधिक किए गए भुगतान की वसूली किए जाने की मांग की है।

ठाकुर ने ऑडिट रिपोर्ट का दिया हवाला

आजाद अधिकार सेना अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर के अनुसार जून से जुलाई 2022 में अकाउंटेंट जनरल ऑडिट दो, लखनऊ उत्तर प्रदेश कार्यालय द्वारा तत्कालीन अध्यक्ष अवनीश अवस्थी के नेतृत्व में कार्यरत एक्सप्रेस-वे अथॉरिटी के लेखा परीक्षा में पाया गया कि जहां सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय पूर्व बोनस भुगतान हेतु अधिकतम पांच प्रतिशत की धनराशि तय की गई है। वहीं पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे प्रकरण में उसकी जगह मनमाने ढंग से छह प्रतिशत भुगतान किया गया। इस कारण 6 ठेकेदारों को 104.10 करोड़ रुपए का अधिक भुगतान हुआ। इसी प्रकार ऑडिट रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि जहां यह भुगतान अंतिम पूर्णता प्रमाणपत्र के बाद दिया जाना होता है, वहीं इन मामलों में अनंतिम पूर्णता प्रमाणपत्र के बाद ही भुगतान कर दिया गया, जिसके कारण 438.8 करोड़ रुपए राजस्व की हानि हुई। इस प्रकार ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार गलत ढंग से समय पूर्व बोनस भुगतान देने से 535.5 करोड़ रुपए की राजस्व की हानि हुई, जो एक गंभीर अनियमितता है।

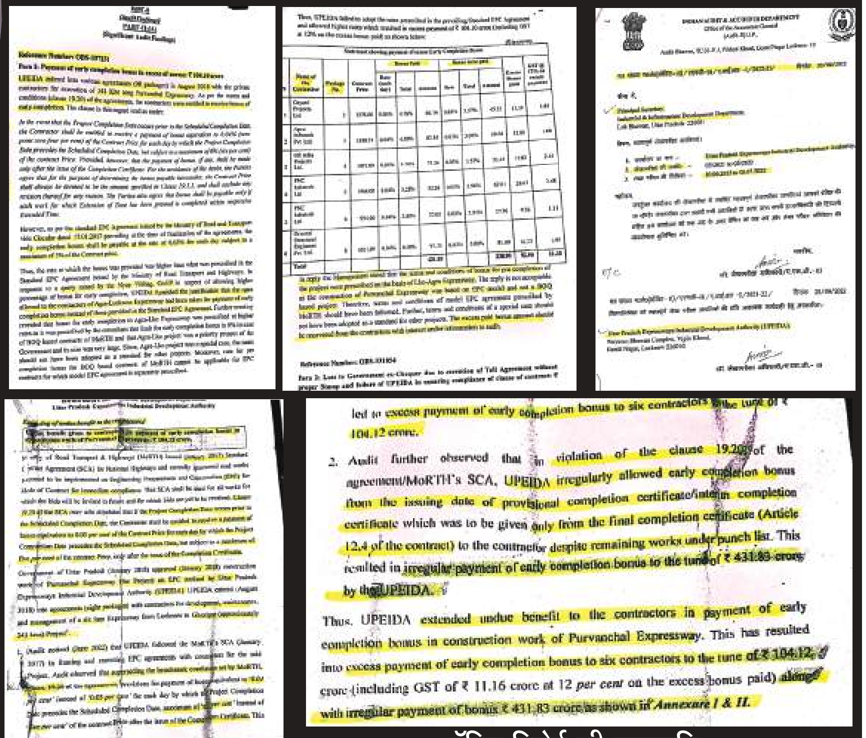

led to excess payment of early completion bonus to six contractors to the tune of ₹ 104.12 crore.

2. Audit further observed that in violation of the clause 19.2 of the agreement/MoRTH's SCA, UPEIDA irregularly allowed early completion bonus from the issuing date of provisional completion certificate/interim completion certificate which was to be given only from the final completion certificate (Article 12.4 of the contract) to the contractor despite remaining works under punch list. This resulted in irregular payment of early completion bonus to the tune of ₹ 431.83 crore by the UPEIDA.

Thus, UPEIDA extended undue benefit to the contractors in payment of early completion bonus in construction work of Purvanchal Expressway. This has resulted into excess payment of early completion bonus to six contractors to the tune of ₹ 104.12 crore (including GST of ₹ 11.16 crore at 12 *per cent* on the excess bonus paid) along with irregular payment of bonus ₹ 431.83 crore as shown in *Annexure I & II.*

ऑडिट रिपोर्ट की छायाप्रति।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।